



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 128]
No. 128]

नई विल्ली, सौमधार, जुलाई 10, 1989/अषाढ़ 19, 1911

NEW DELHI, MONDAY, JULY 10, 1989/ASADHA 19, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में वी गई है, जानकारी के
लिए अधिसूचित की जाती है।

सार्वजनिक सूचना सं. 141-ग्राई टी. सी. (पी. एन.)/
88-91

नई विल्ली, 10 जुलाई, 1989

विषय:—इकतालीस (41,000,000) मिलियन येन की
1988-89 के लिए जापानी मांस्कृतिक अनुबान
सहायता के अंतर्गत जापान से भारतीय बन्दरगाहों
पर उपस्कर के परिवहन करने के लिए दृश्य शृण्य
उपस्कर एवं आवश्यक सेवाओं के आयात हेतु
लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. ग्राई पी सी/23 (54)/88-91.—
1988-89 वर्ष के लिए इकतालीस मिलियन (41,000,000
येन) की जापानी मांस्कृतिक अनुबान सहायता के अंतर्गत¹
इन्विरा गांधी नेशनल सेंटर फार आर्ट्स (ग्राई जी सी ए.)
नई विल्ली द्वारा जापान से भारतीय बन्दरगाहों पर उपस्कर
के परिवहन करने के लिए दृश्य शृण्य उपस्कर एवं आवश्यक
सेवाओं के आयात को नियंत्रित करने वाली शर्तें जो इस

नेतृत्व खाता, मुख्य नियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना
सं. 141-ग्राई. टी. सी. (पी. एन.)/88-91 दिनांक
10-7-89 का परिशिष्ट

1988-89 के लिए इकतालीस मिलियन येन
(41,000,000 येन) की जापानी मांस्कृतिक अनुबान
सहायता के अंतर्गत जापान से भारतीय बन्दरगाहों पर¹
उपस्कर के परिवहन करने के लिए दृश्य शृण्य उपस्कर
एवं आवश्यक सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें

खण्ड—1 सामान्य शर्तें

1. (1) 1988-89 के लिए 41 मिलियन येन
(लागत और भाड़ा) की जापानी अनुबान सहायता का
उद्देश्य इन्विरा गांधी नेशनल सेंटर फार आर्ट्स (ग्राई जी
एन सी ए) द्वारा दृश्य शृण्य उपस्कर और आवश्यक सेवाओं
के आयात और उनके भारत में बन्दरगाहों पर परिवहन करने

के लिए जापानी सम्भरकों को वित्तीय सहायता के लिए किया जाएगा।

1(2) आयातक के नाम में आयातलाइ सेम कूल मिला एक 45 मिलियन येन (लागत शीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक “1988-89 के लिए 41 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता” होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोड “एस/जे/एन” होगा।

1(3) विवेशी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयातलाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता को भारतीय दृष्टि में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभारित किए जाएंगे।

1(4) उपस्कर की प्राप्ति इस अनुदान के अंतर्गत जापान से की जाए।

1(5) आयातलाइसेंस लागत शीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जाएगा जोकि 31-3-1990 तक बंध रहेगा।

1(6) संविवा में नकद आधार पर अपर्याप्ति बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलवान वस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुर्वार्डी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए:—

“सुर्वार्डी 15-3-1990 तक पूर्ण की जानी है।”

1(7) संविवा का मूल्य लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य आधार पर येन में वर्ताया जाना चाहिए (येन की विश्व को द्वारा जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अभिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रबंधित की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च आवश्यक आधार पर देय होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का आवश्यक खर्चों के अतिरिक्त येन धनराशि होगी।

1(8) क्रम संविवा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रियों या जापानी राष्ट्रियों द्वारा विधिवत जापानी बंध व्यविधियों के साथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण-पत्र (वो प्रतियों में) जिसमें संभरक “की पात्रता दर्शायी गई हो प्रत्येक संविवा के साथ जोड़ी जानी चाहिए।”

खण्ड—2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्त विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए:—

2(1) 1988-89 के लिए 41 मिलियन येन की अनुदान सहायता से सम्बद्ध इस संविवा की व्यवस्था 20 मार्च,

1989 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के प्रधीन होगी।

2(2) विवेशी संभरकों को भुगतान उस [“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी)] के माध्यम से किया जाएगा जो 1988-89 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा विवरक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, यूको बैंक बिलिंग, पालियामेंट, स्ट्रीट, नई विल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचनाओं एवं वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होंगे जो एक और भारत सरकार और दूसरी और जापान सरकार द्वारा अपेक्षित होगी।

2(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के साथ विवार-विमर्श करके पोत लागत की व्यवस्था करने के लिए सहमत होगा ही और इस उद्देश्य से वह शामिल माल की डिलीवरी के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करता रहेगा और कम से कम ३५ हफ्ते पहले अपेक्षित पोतलवान की अधिसूचना भारतीय दूतावास को देगा ताकि समूचित व्यवस्था की जा सके। अपवाह स्वरूप अगर अर्थात् आहे तो नोटिस की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलवान के बाव अर्थात् कर्ता को केवल द्वारा आवश्यक व्यापे की सूचना देने के लिए भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड—3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन]।

3(1) जैसे ही व्यावेशों को अंतिम रूप दे दिए जाए हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियों या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रम आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियों सहित सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-1 के प्रपञ्च में (“ए/पी” जारी करने के व्यावेश) की दो प्रतियों सहित अबर सचिव (टी ए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लाक, नई विल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविवा की विवर वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविवा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (टी ई ए) जापान अनुभाग 1988-89 के लिए मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तवान देने के लिए संविवा की दो प्रतियों जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित वस्तावेजों मा एक-एक सैट लेखा व लेखा परीक्षा विवरक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से थेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, सार्थ बैंक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, यू. सी. ए. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई बिल्डी-110001 को बेगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियो भारत फा इतावास टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजवृत्तावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

3(5) पोतलवान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित वस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि वस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो वस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकरों के माध्यम से रिहा करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान करने की घटवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को बैयंकिंग प्रैमियरों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए गिरा सामान्य बैंक सूची के माध्यम से बैंक आफ इंडिया टोकियो को धन परेषण द्वारा तय किया जाएगा।

खण्ड -4 रुपया निवेदन करने के लिए उत्तरायात्म्य

4(1) मूल परकार्य पोत परिवहन वस्तावेज बैंक आफ इंडिया टोकियों द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जाएंगे जोकि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबन्ध-1 में (ए) पर यथा उल्लिखित किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की एक शाखा होगी जो संबंधित आयातक को पराक्रामय जहाजारी वस्तावेज रिहा करने से पूर्व इस बात को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई ये भुगतान की समाप्ति रुपये की धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां केवे योग्य हैं, अर्थात् के प्रभारों सहित मुख्य अशयगां की राशि सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपये जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की बर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की बर से हिसाब लगाकर अर्थात् सार्वजनिक सूचना म. 31—ग्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और 35—ग्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 की गतों के अनु-

सार सरकारी लेखे में जमा कर दिया गया है। अर्थात् बीनों विनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, वेष्य है, वेष्याए सार्वजनिक सूचना संख्या 103—ग्राई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना संख्या 230-17 सी (पी एन)/85—88 दिनांक 20-7-82 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74—ग्राई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74। आयातक द्वारा फिर जाने वाले रुपये निवेदनों को निकटसम हपये के गुणक में गिना जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए ये न भुगतान के समाप्ति रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की बर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह मिश्रित बर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 8—ग्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-नियात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनियम नियंत्रण परियों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस संबंध में और अर्थात् की बर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी हि वेष्य धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना आविष्ट कि वेष्य धनराशि अपने अणवातारों से वस्तावेजों की सुपुर्वगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि वेष्य धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही अब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वेष्य धनराशि के माल की सुपुर्वगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र बेना बनव कर दिया जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निवेदन किया जाएगा वह “के डिपाजिटस एण्ड एंडवान्सिज -843 सिविल डिपाजिटस-डिपाजिट फॉर परेजिन शटस्ट्रा एक्स्ट्रा अंडर ग्रांट एड फोम वि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1988-89” ग्राई टी. एन. सी. ए. द्वारा फार दि परवेज आफ आडियो विज्ञाल इक्विपमेंट/सर्विस।

4(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई बिल्डी में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, लीस हजारी, बिल्डी में चालान के ऊपर वाहिनी और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए या ऐसा सम्भव न हो तो पैसा भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी ग्रान्डेंगी शाखा या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक (झापर) से डिमाण्ड ड्राफ्ट लेकर उसे भारतीय स्टेट बैंक, तांग हजारी, लिंग्नी-6 (झायी एण्ड पेंटी) को श्रवा किया जाए

लिख कर सरकार की साझे में सार्वजनिक सूचना सं.
 184 आईटीसी (पीएन) / 68, दिनांक 30-8-1968
 सं. 233—आईटीसी (पीएन) / 68, दिनांक 24-10-68
 सं. 132—आईटीसी (पीएन) / 71, दिनांक 5-10-71
 सं. 74—आईटीसी (पीएन) / 74 दिनांक 31-5-74,
 सं. 103—आईटीसी (पीएन) / 76 दिनांक 12-10-76,
 में यथा निर्धारित में जमा होना चाहिए।

(4) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसा किया जाने के बाबू सात दिनों के भीतर भारत में संबद्ध बैंक भी ऊपर निर्धारित सरकार के द्वारा यह अस्तित्विक धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। खालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आवश्यकताओं उनके बेकरों को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132—आईटीसी (पीएन) / 71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना खालान के कालम “धन परेषण” और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौरे में निरपवाद रूप से निर्विष्ट किए गए हैं। खजाना खालान में निम्नलिखित व्यौरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संलग्न और दिनांक।

(ख) ये भुग्ता की अह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विवेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) अदा किए गए ब्याज की राशि और अधिक जिसके लिए गिना गया है।

(ङ) कुल जमा राशि।

(द्याज की गणना जापानी संभरक के अवायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकाम रूप से सरकारी खाते में जमा कराया है, की जाएगी)

उसके पश्चात सी. ए. ए. ए.ए.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का संबंध वेते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना खालान रूप से जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत आक द्वारा सी. ए. ए.ए.ए.ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की अवायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलबान बस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाब सी. ए. ए.ए.ए.ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई विली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बन्दर्व को भेजना चाहिए।

खण्ड—5 विधि व्यवस्थाएं

5(1) अनुवान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्ट संभरक को की जाने वाली अवायगीयों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी होगी। आयातक के बैंक द्वारा वेर या विलम्ब से प्राप्त पोत परिवहन इत्यादि प्रलेखों की प्राप्ति के रूप से निक्षेप राशि पर वेत्र ब्याज राशि को आंशिक या पूर्ण रूप में माफ करने का कारण नहीं माना जाएगा।

आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साझेपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक विलिंडग संसद मार्ग, नई विली को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को उन किसी विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुवान सहायता के अंतर्गत माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उसरवायित्व नहीं लेगी। भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-1 में “भुगतान की शर्तें” के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तें में विवाद के निपटान से संबद्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5(4) भविष्य अनुदेश

जापान से 1988-89 के लिए अनुवान सहायता के अंतर्गत आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापान से इस अनुवान सहायता के अंतर्गत सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए विनिवेशों या आवेशों का लाइसेंसधारी को सुरक्षा पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध—1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध अनुबंध—2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

अनेकान्धि — I

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के सिए प्रार्थना पत्र संख्या—

सेवा में

महायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
पू. सी. श्रो बैंक बिल्डिंग, प्रथम मर्जिल,
पालियामेट स्टीट नर्ह बिल्ली—110001।

विषय :- -३ करोड़ीम (41,000,000) मिलियन ये
ष्टी 1988-89 के लिए जापानी मांसकृतिक
प्रनवान सहायता के प्रतंगत जापान से भारतीय
बन्दरगाहों पर उपस्कर के परिवहन करने के
पिछे दृश्य श्रव्य उपस्कर एवं आवश्यक सेवाओं
के आवाह हेतु लाइसेंसिंग ग्राहे।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुवान सहायता के अधीन जापान से उपर्युक्त उपस्कर के आयात के सम्बन्ध में हम आपको निम्नलिखित द्व्यौरा भेजते हैं। जिससे कि आप सम्बद्ध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया ट्रॉफियो को भगताम के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें।

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, विमांक और मूल्य और जब तक यह बंध है।

(ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित हैं या सीमित खुली निविदा पर आधारित हैं। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्गम देश।

(च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)

(छ) यदि कोई हो तो भारतीय हप्ते में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)

(ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और विवाक।

(ञ) जापानी संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ठ) माल की सुपुर्यंगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियाँ।

(३) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाते वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान वर्णित हुए)।

(४) पोतलवान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय वाहनान्तरण/आंशिक पोतलवान निर्दिष्ट कीजिए)।

(५) भारत में आयातिक के बैंक का नाम और पता।

(६) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कौन वहन करेगा कृपया निर्दिष्ट करें।

(७) आयातिक द्वारा बचनबद्धता :—“हम एकदृष्टा बचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धमराशि के समझूल्य हथये की पूर्ण धमराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित वर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातिक सामग्री) के प्रत्येक परेषण की मुदुर्बंधी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी रास्तिकों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत, शीजक अनुसारित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भाष्यकृति

अनब्ध-II

संख्या एफ

भारत सरकार

पितृ संतान

आर्थिक शार्प विभाग

नहीं विल्ली, दिनांक

सेवा में,

बंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय :—इक्षतालीस (11,000,000) मिलियन रुपए को 1988-89 के लिए जापानी सांस्कृतिक अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारतीय बन्दरगाहों पर उपस्कर के परिवहन करने के लिए बृश्य अध्य उपस्कर एवं आवश्यक सेवाओं के प्रायात हेतु लाइ-सेसिंग शर्तें।

प्रिय महोपय,

आपके बैंक के साथ 20-3-1989 को किए गए समझौते को शर्तों के अनुसार आपको एनडब्ल्यूआर परिविष्ट में दिये गए पथा संलग्न व्यौदे के अनुसार सर्वश्री _____ को _____ द्वारा धनारणि के अगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावसी के बारे में संभरकों को सूचना वे और इसकी प्रत्येक सूचना पढ़न की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक भारत में राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिषिष्ट में यथा संकेतिक लकान दस्तावेजों के आधार पर पर किया जाएगा।

4. विवेशी संभरक को भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पता) ————— मूल पोतपरिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों का पूरा सेट और संभरक को प्रशायगी के लिए नामे बीजक की प्रति जिसमें अवायगी यवि कोई ही भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा प्राप्तको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकरों के प्रभार को भेजने आविके के लिए भाड़े सहित आदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक के द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लकान दस्तावेजों आविके के आधार पर प्राप्तके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जाने चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8 यह भुगतान प्रधिकार पत्र— — तक बंध रहेगा।

9 इस अधिकार पत्र के शीर्ष पर दिया गया है इसे संविदा से संबंधित सारे पत्रावार में और बीजक में अवायगी दर्शाते हुए इसे लिखा जाए।

मंवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक ————— को उनके पत्र सं. ————— दिनांक ————— के संबंध में उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकरों से परकार्य दस्तावेजों की सुपुर्वगी लेने से पूर्व अपने बैंकरों के भाष्यम से रपये निकले प्राविको जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिवित्याओं की बजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमा शुल्क प्राधिकारियों और पत्तन के प्राधिकरियों से माल की सुपुर्वगी सीधे ही प्राप्त कर ली हो तो वहाँ युपुर्वगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विवेशी संभरकों द्वारा दी गई लेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुमोदित किए जाते हैं वैसे ही धनराशि

जमा करवा देनी चाहिए। शीघ्र ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक का बैंक ————— उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्यांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को ये भुगतान के ब्राबर रूपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के ब्राबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-प्राईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विवेशी संभरकों को भुगतान करने की विधि की यथा प्रचलित परिवर्तन को मिश्रित वर पर को जाएगी। यदि इस वर में कोई परिवर्तन होगा तो इसको सूचना तुरन्त दी जाएगी। इस बात का सुनिश्चय कर लेना लेना चाहिए कि सीमाशुल्क निकाती के लिए आयातक को को दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

3. ये धनराशियाँ या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी विल्सो में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुषंगी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, विल्सो-6 (आवेशिती और आदाता) के नाम में और उसकी वेयरमानी हृष्णी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में प्राप्तका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233-प्राईटीसी(पीएन)/68, विनांक 24-10-68 सं. 132-प्राईटीसी(पीएन)/71, विनांक 5-10-71, सं. 74-प्राईटीसी(पीएन)/74, विनांक 31-10-74 और सं. 103-प्राईटीसी(पीएन)/76, विनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह “के डिपोजिट एण्ड एडवांसिंगज-843 सिविल डिपोजिट-डिपोजिट फार परचेजिंग एटसेक्ट्रा एबाउ पर-चेजिंग अण्डर ग्रान्ट एन्ड फार्म वि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1988-89 अन्वर डिटेल्ड “511 लिलिपन येन ग्रान्ट एन्ड फार परचेज आफ दि ‘इक्विपमेंट सर्विसिंज बाई दि आई जी.ए.सी.ए. ।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली, या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-प्राईटीसी(पीएन)/81, विनांक 5-10-71 के अनुसार नक्का किया जाता है उनमें चालान को मूल रूप में एक प्रति बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण वैते मुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजे जाएगी :—

लेखा तथा परीक्षा नियंत्रक,
वित मंत्रालय (आयिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, पु.सो.ओ. बैंक विल्डिंग,
संसाध भार्ग, नई दिल्ली-110001.
जिस मामले में तुल्य रूपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना

विमोक्ष 24-10-88 यथा में उल्लिखित इर्शी हुए ही द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भंजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए धूल्य रुपये का पूरा व्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

सद्रमुपार संभरण के बैंकर के प्रभारों सहित बैंक आफ इंडिया, टोकियो आध के बैंक प्रभार यदि कोई हों तो वह आयात करने वाले विभाग की ओर से भारत के दूतावास, टोकियो द्वारा अदा हित जाएंगे। इन प्रभारों के सम्पुल्य रुपये की गणना उपर्युक्त विधि के अनुसार की जाएगी और उन्हें लेका नियन्त्रक विदेश मंत्रालय के नाम में जमा करा दिया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए सो.ए.ए.एण्ड ए. विभाग को उपर्युक्त परामर्श जारी करेगा।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अबर सचिव (टी सो) शाक्ता विस मंत्रालयम् आधिकार्य विभाग नई विली।

(लेखा इश्वरिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO 141-ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 10th July, 1989

Subject :—Licensing condition for import of Audio-Visual Equipment and Services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japenese Cultural Grant Aid for 1988-89 of Yen of forty-one million (Yen 41,000,000).

File No. IPC|23(54)|89-91.—The terms and conditions governing import of Audio-Visual Equipment and Services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1988-89 of Yen forty-one million (Yen 41,000,000) to the Indira Gandhi National Centre for Arts (IGNCA), New Delhi, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO.141-ITC(PN)|88-91
Dated 10-7-1989

Licensing Conditions for import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1988-89 of Yen forty-one million (Yen 41,000,000).

Section I General Conditions

I. (i) The Japanese Grant Aid for 1988-89 of Yen 41 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of

audio-visual equipment and services necessary for the transportation thereof to posts in India, by the Indira Gandhi National Centre for Arts (INGNCA).

I. (ii) The import licences should be issued for any aggregate amount not exceeding Yen 45 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the subscription "Yen 41 million Japanese Grant Aid for 1988-89". The licence code for the first and second suffix will be "S|JN".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, Banking charge of the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1990.

I. (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1990".

I (vii) The contract value (C&F or FOB basis) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contracted value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract it self whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese national or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract:—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 20th March, 1989 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 41 million for 1988-89 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1988-89.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi 5 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1988-89 of Yen million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents

specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV.—Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The Original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-1983 and No. 35 ITCPN)83 dated 26-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposited is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. N1103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 236-17C(PN)85--88 dated 20-7-1987, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&F Public Notice No. 8-ITC(PN)76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of the CCI&F or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary, it will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should

be credited is "K-Deposits and Advances 8443-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid-from the Government of Japan" for 1988-89 Grant for purchase of audio-visual equipment/services by the IGNCA.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)|68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 108-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC (PN)|74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance 'A|P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of Payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAAA indicating reference to the A|P issued by him also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 16 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Bankers will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A|P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V. (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V. (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a Settlement of disputes be included in the condition of contract.

V. (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India, from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1988-89 from Japan.

V. (v) Breach of violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clause will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V. (vi) List of Annexure :

Annexure I:—Request for issue of A|P.

Annexure II:—Form of A|P.

ANNEXURE-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY NO.

To

The Controller of Aid Accounts & AUDIT,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi- 110001.

Subject :—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 41 million for 1988-89.

Sir,

In connection with the import of sports equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A|P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F or FOB value (in yen) for which the A|P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.

(p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo-importer or supplier, please specify.,

(q) Undertaking by the importer :—“He hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers ”.

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

No. F.

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs.

.....
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 41 million or 1988-89. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 20-3-1989 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A|P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A|P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, you should send to _____ (Name & address of Importer's Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling document and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A|P may be advised in the absence of a specific Authority from this Ministry.

8. This A|P will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this Authorisation to Pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
Accounts Officer,

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their Letter No. _____ Dated _____. They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker _____.

(i) This Authorisation to Pay is issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected Public Notice|order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import|foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time.

Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-1983 and No. 35|ITC(PN)|83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account. (Any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)|85-88 dt. 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that this deposit is made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-8443-CIVIL Deposits- Deposit for purchases etc. abroad-purchases under Grant Aid from Govt. of Japan' for 1988-89 under detailed head "Yen 41 million grant aid for purchases of equipment|services by the IGNCA."

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I. Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AU Circulars of the R.B.I. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. _____ dated _____.

()

Accounts Officer.